

पेरसि ओलंपिक- 2024 में लैंगिक पात्रता विवाद

प्रलिस के लिये:

पेरसि ओलंपिक 2024, अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (IBA), अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति, लैंगिक विकास संबंधी विचार, टर्नर सडिरोम

मेन्स के लिये:

खेलों में महिलाओं के सामने आने वाली समस्याएँ, महिलाओं से संबंधित मुद्दे, मानवाधिकार और खेल

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हुए **पेरसि ओलंपिक 2024** में अल्जीरिया की इमान खलीफ और इटली की एंजेलो कैरिनी के बीच मुक्केबाजी मैच ने एक महत्वपूर्ण विवाद, विशेष रूप से महिलाओं के खेल प्रतियोगिता में लैंगिक पात्रता के संबंध में, विवाद को जन्म दिया।

इमान खलीफ की जीत ने विवाद क्यों खड़ा किया?

- विवाद की पृष्ठभूमि: खलीफ की जीत से कई आलोचनाओं की लहर उत्पन्न हो गई, जिसमें कई लोगों ने उन पर "एक पुरुष (Biological: यौन विकास संबंधी विचारों के कारण)" होने का आरोप लगाया, जबकि आधिकारिक तौर पर उनकी लैंगिक पहचान महिला के रूप में होने की पुष्टि की गई थी। आलोचकों ने खलीफ पर "अनुचित लाभ" लेने का आरोप लगाया।
- अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ का रुख: वर्ष 2023 में, खलीफ और मुक्केबाज लनि यू-टगि को "लैंगिक पात्रता" परीक्षण के कारण नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (IBA) की विश्व चैम्पियनशिप की प्रतियोगिता में भाग लेने से रोक दिया गया था।
 - इस परीक्षण का विवरण गोपनीय रखा गया है। हालाँकि, दोनों एथलीट वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) द्वारा IBA की मान्यता रद्द किये जाने के कारण पेरसि ओलंपिक में प्रतियोगिता कर रहे हैं।
 - IOC के वर्तमान पात्रता मानदंड पूरी तरह से एथलीट के पासपोर्ट में बताए गए लिंग पर आधारित हैं, जिसे खलीफ की पहचान एक महिला के तौर पर की गई है।
- IOC की प्रतिक्रिया: IOC ने अपने नरिणय का बचाव करते हुए कहा कि ओलंपिक में सभी मुक्केबाजों ने प्रतियोगिता की पात्रता मानदंडों को पूरा किया था।
 - IOC ने IBA के नरिणय की आलोचना करते हुए इसे "मनमाना" बताया, खलीफ व लनि यू-टगि के साथ किये गए दुरव्यवहार पर नरिशा व्यक्ति की और इस बात पर जोर दिया कि भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही थी।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति

- IOC स्वटिज़रलैंड के लॉज़ेन में स्थित एक गैर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो वर्ष 1894 में अस्तित्व में आया था। IOC का उद्देश्य ओलंपिक खेलों का नियमित आयोजन सुनिश्चित करना और ओलंपिकवाद एवं ओलंपिक मूवमेंट को बढ़ावा देना है।
 - ओलंपिकवाद एक ऐसा दर्शन है जो खेल, संस्कृति, शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को संगठित करता है, जो प्रयास के आनंद, अच्छे उदाहरणों के शैक्षणिक मूल्य, सामाजिक जम्मेदारी तथा सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों के सम्मान पर जोर देता है।
 - ओलंपिक मूवमेंट का लक्ष्य ओलंपिकवाद और उसके मूल्यों के अनुसार अभ्यास किये जाने वाले खेलों के माध्यम से युवाओं को शिक्षित कर एक शांतपूर्ण एवं बेहतर विश्व के निर्माण में योगदान देना है।
 - ओलंपिक मूवमेंट के तीन मुख्य घटक हैं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC), अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ (IF) और राष्ट्रीय ओलंपिक समितियाँ (NOC)।
- IOC ओलंपिक खेलों के नियम एवं विनियम तय करता है तथा यह भी तय करता है कि आगामी ओलंपिक आयोजन कब और कहाँ होगा।
- IOC एक स्थायी संगठन है जो अपने सदस्यों का चुनाव करता है जिसका प्रत्येक सदस्य फ्रेंच या अंग्रेज़ी भाषी होता है और राष्ट्रीय ओलंपिक समिति वाले देश का नागरिक होता है या वहाँ रहता है।

आगे की राह

- **बायोमार्कर:** विश्वसनीय बायोमार्कर की पहचान करें जो एथलीटों की गोपनीयता या गरिमा का उल्लंघन किये बिना एथलेटिक क्षमता का सटीक आकलन कर सकें।
 - बायोमार्कर एक वस्तुनिष्ठ माप है जो किसी कोशिका या जीव की किसी नशिचति समय पर स्थिति को दर्शा सकता है।
 - यौवन अवरोधकों (Puberty Blockers), हार्मोन थेरेपी और एथलेटिक प्रदर्शन पर अन्य हस्तक्षेपों के प्रभावों पर अनुदैर्ध्य अध्ययन आयोजित करें। एथलेटिक क्षमता का आकलन करने के लिये विश्वसनीय बायोमार्कर की पहचान करें।
- **एथलीट शक्ति:** उचित नरिणय लेने को बढ़ावा देने के लिये एथलीटों को लगी और पात्रता नियमों के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करें।
- **पारदर्शी और समावेशी नीतियाँ:** खेल महासंघों को पारदर्शी तथा समावेशी नीतियाँ बनानी चाहिये जो नषिपक्षता, समावेशिता और गैर-भेदभाव को संतुलित करती हों। इसमें पात्रता मानदंड एवं उनके पीछे के तर्क पर स्पष्ट दशा-नरिदेश शामिल होने चाहिये।
- **महासंघों के बीच सहयोग:** अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघों को अपनी नीतियों में सामंजस्य स्थापित करने और वभिन्न खेलों में एकरूपता सुनशिचति करने के लिये सहयोग करना चाहिये। इससे भ्रम की स्थिति को रोकने और नषिपक्ष प्रतसिपर्द्धा सुनशिचति करने में मदद मलि सकती है।
- **मानवाधिकारों का सम्मान:** बिना किसी भेदभाव के खेलों में भाग लेने के अधिकार सहित मानवाधिकारों के संरक्षण को प्राथमकता दी जानी चाहिये।

दृष्टिभेन्स प्रश्न:

प्रश्न. खेलों में लगी पात्रता से जुड़ी चुनौतियों और नैतिक वचिारों पर चर्चा कीजिये। ये मुद्दे नषिपक्षता और समावेशिता को कैसे प्रभावित करते हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रलिमिस:

प्रश्न. वर्ष 2000 में प्रारंभ किये गए लॉरयिस विश्व खेल पुरस्कार (लॉरयिस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड) के संबंध में नमिनलखित कथनों पर वचिार कीजिये: (2021)

1. अमेरिकी गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स इस पुरस्कार के सर्वप्रथम वजिता थे।
2. अब तक यह पुरस्कारअधिकतर 'फॉर्मूला वन' के खिलाड़ियों को मलिा है।
3. अन्य खिलाड़ियों की तुलना में रॉजर फेडरर को यह पुरस्कार सर्वाधिक बार मलिा है।

उपर्युक्त में से कौन से कथन सही हैं?

केवल 1 और 2

केवल 2 और 3

केवल 1 और 3

1, 2 और 3

उत्तर: (c)